भारत में चिकित्सा पर्यटन का महत्व–एक सूक्ष्म अध्ययन

अनूप कुमार सिंह

भारत में पर्यटन के व्यावसायिक स्वरूप की शुरूआत वर्ष 1948 में की गयी। लेकिन व्यापक तौर पर संगठित प्रयास वर्ष 1966 में 'भारतीय पर्यटन विकास निगम' के गठन से माना जाता है। वर्ष 1967 में 'पर्यटन और नागरिक उड्डयन मंत्रालय' की स्थापना की गयी। सरकारी तौर पर किए गए ये प्रयास नाकाफी साबित हुए और अस्सी के दशक तक भारत अन्य क्षेत्रों की तरह पर्यटन परिदृश्य पर भी पिछड़ा रहा।

पर्यटन उद्योग को बढ़ावा देने के लिए वर्ष 1982 के दौरान सरकार द्वारा एक विस्तृत पर्यटन नीति की घोषणा की गयी। वर्ष 1991 में पर्यटन को विदेशी निवेश के लिए प्राथमिकता का क्षेत्र घोषित किया गया। वर्ष 1992 में पर्यटन के लिए एक बृहद कार्य योजना तैयार की गयी। इस कार्य योजना के मुख्य लक्ष्यों में पर्यटकों की संख्या में तीव्र वृद्धि, पर्यटन को विदेशी मुद्रा अर्जन का क्षेत्र बनाना और रोजगार वृद्धि की नीतियां तैयार करना था।